स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र - ज्ञान मीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

***Note :** Attempt all questions. Each question carries equal marks.*

प्र. 1. ज्ञान किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का वर्णन करते हुए मतिज्ञान और श्रुतज्ञान के अन्तर को स्पष्ट करें।

What is knowledge? Clarifing the Matigyan and Shrutgyan. Pointout there difference.

अथवा /OR

अवधि और मन:पर्यवज्ञान को स्पष्ट करते हुए उनमें क्या अन्तर है? स्पष्ट करें।

What are Avadhi and Manah Paryay? What is the difference between them. Clarify.

प्र. 2. प्रमाण के क्रमिक विकास को बताते हुए यह स्पष्ट करें कि प्रामाण्य का निश्चय कैसे होता है?

Describing the gradual development of Praman and show how the Praman is determined?

अथवा /OR

जैन दर्शन के अनुसार प्रमाण के स्वरूप को स्पष्ट करें।

Clarify the form of Praman according to Jain Philosophy.

प्र. 3. जैन दर्शन के अनुसार सर्वज्ञ की सिद्धि कीजिए।

Prove the Sarvagya according to Jain Philosophy.

अथवा /OR

न्याय किसे कहते हैं? उसके प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए।

What is Nyaya? Describe its main parts.

प्र. 4. अभाव को परिभाषित करते हुए उसके अंगों का वर्णन करें।

Defining Abhava show its different parts.

अथवा /OR

हेत्वाभास क्या है? उसके प्रकारों को उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

What is Hetvabhas? Describe its all the parts with examples.

प्र. 5. निम्नलिखित पंक्ति को स्पष्ट करें –

Explain the following line :

स्वपरावभासी प्रत्यक्षादिप्रसिद्ध आत्मा प्रमाता

अथवा /OR

स्मृति पर टिप्पणी लिखें।

Write a short note on Recollection (Smriti).

♦♦♦

शाकाहार पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on vegetarianism.

प्र. 4. तम्बाखू और धूम्रपान आत्महत्या का मार्ग है। सिद्ध कीजिए।

Prove tobacco and smoking are the way of sucide.

अथवा /OR

जैन जीवन शैली के द्वारा समाज बाल अपराध और नशा से मुक्त हो सकता है। स्पष्ट कीजिए।

Explain society can free from child crime and adiction by Jain way of life.

प्र. 5. जैन दर्शन और विज्ञान में परमाणु के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Illuminate the nature of Atom in Jain Philosophy and science.

अथवा /OR

अनेकान्तवाद पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Anekantavada.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र - जैन दर्शन और विज्ञान

समय : 3.00 घण्टे | पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अध्यात्म और विज्ञान में शरीर का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Explain the importancy of body in spirituality and science.

अथवा /OR

कुण्डलिनी के स्वरूप एवं जागरण के मार्ग की व्याख्या कीजिए।

Describe the nature of mystical psychic energy (Kundalini) and its way of awakenness.

प्र. 2. जाति स्मृति ज्ञान से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Suprasensory knowledge.

अथवा /OR

विभिन्न दर्शनों में पुनर्जन्म की समीक्षा कीजिए?

Critical analyses of Rebirth in differents philosophy.

प्र. 3. वैज्ञानिक दृष्टि से उपवास के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

Describe the importancy of fasting in the view of science.

अथवा /OR

मिल के परिष्कृत उपयोगितावाद की व्याख्या कीजिए।

Explain the refined Utilitarianism of Mill.

प्र. 4. काण्ट के नैतिक सिद्धान्तों को समझाइये।

Describe the theory of ethics of Kant.

अथवा /OR

दण्ड के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the theories of punishment.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(अ) प्लेटो के सद्गुण / Virtues of Plato.

(ब) सुखवाद का विरोधाभास /Paradox of Hedonism

(स) हर्बट स्पेन्सर का विकासवाद/Evolutionanism of Herbert Spenser

(द) जैन त्रिरत्न / Three Jewels of Jain

(य) गाँधीजी के ग्यारह व्रत / Eleven vows of Gandhiji

(र) आचार्य भिक्षु का अहिंसादर्शन / Non-violence of Acharya Bhikshu

(ल) गीता का निष्काम कर्म / Niskam Karm Yoga of Gita

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र - नीति शास्त्र

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. नीतिशास्त्र किसे कहते हैं? यह विज्ञान है या कला ? व्याख्या कीजिये।

What is Ethics? Is it Science or Art? Explain it.

अथवा /OR

नीतिशास्त्र के क्षेत्र पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the field of Ethics.

प्र. 2. सुकरात के नैतिक दर्शन का वर्णन कीजिए।

Discuss the ethical philosophy of Socrates.

अथवा /OR

अरस्तू के नीतिशास्त्र पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the Ethics of Aristotle.

प्र. 3. बैन्थम के स्थूल उपयोगितावाद के सिद्धान्तों को समझाइये।

Describe the theory of Benthom's Cross utilitarianism.

अथवा /OR

अथवा /OR

निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए:

Explain the following verses:

विनानुमानेन पराभिसन्धिमसंविदानस्य तु नास्तिकस्य।
न साम्प्रतं वक्तुमपि क्व चेष्टा क्व दृष्टमात्रं च हहा प्रमादः॥

प्र. 4. स्याद्वाद और सप्तभंगी पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on assertion (Syadvada) and prediction (saptabhangi).

अथवा /OR

स्याद्वादमंजरी का परिचय विस्तार से लिखिए।

Write an introduction of Syadvadamanjari in detail.

प्र. 5. निम्न पर टिप्पणी लिखिए : कोई चार

Write short not on these (any four)

अ. सामान्य–विशेष / Universal-particular

ब. नय / Viewpoint (Naya)

स. मायावाद / Illusionism

द. आलय विज्ञान / Alaya Vigyan

इ. प्रमाण / Organ of Knowledge

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र - जैन दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्त

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के अनुसार ईश्वर कर्तृत्व की समीक्षा कीजिए।

Critically analyze the God creation according to Jain Philosophy.

अथवा /OR

वैशेषिक सम्मत मुक्ति की अवधारणा की समीक्षा कीजिए।

Critically analyze the concept of liberation accepted by Vaisesika.

प्र. 2. नैयायिक सम्मत तत्त्वों की समीक्षा कीजिए।

Explain the elements of Naiyayika.

अथवा /OR

सांख्यदर्शन में स्वीकृत तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।

Explain the elements accepted by Samkhya philosophy.

प्र. 3. बौद्धसम्मत क्षणिकवाद की व्याख्या कीजिए।

Explain the Fluxism accepted by Buddha philosophy.

प्र. 3. ग्रीन पीस आंदोलन के उद्देश्य एवं उसकी कार्यप्रणाली का वर्णन कीजिए।

Describe the objects and work style of Green Peace Movement.

अथवा /OR

पगवाश आंदोलन पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on Puguash Movement.

प्र. 4. सिविल नाफरमानी (सविनय अवज्ञा) पर एक लेख लिखिये।

Write an essay on civil disobedience.

अथवा /OR

सम्पूर्ण क्रांति पर जयप्रकाश नारायण के विचारों का वर्णन कीजिए।

Explain the views of Jai Prakash Narain on "Sampoorna Kranti".

प्र. 5. अप्पिको आंदोलन की पृष्ठभूमि एवं इससे जुडी महत्त्वपूर्ण घटनाओं का वर्णन करें।

Explain the background of 'Appika Movement' and its related important events.

अथवा /OR

विश्नोई आंदोलन क्या है? इसके क्या उद्देश्य हैं? इसने पर्यावरण को कैसे प्रभावित किया है?

What is Bishnoi Movement? What are its objects? How it has affected the environment?

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र - अहिंसा एवं शांति को समर्पित संस्थान एवं आन्दोलन

समय : 3.00 घण्टे | पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. सुरक्षा परिषद के संगठन एवं कार्यों की व्याख्या कीजिए।

Explain the organisation and functions of 'Security Council'.

अथवा /OR

विश्वशांति की स्थापना में यूनेस्को की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the role of UNESCO in establishing world peace.

प्र. 2. सिपरी संस्था पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'SIPRI'.

अथवा /OR

अणुव्रत विश्व भारती संस्था की गतिविधियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Describe in detail the activities of Anuvrat Vishva Bharati organisation.

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा -२०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र - संघर्ष निराकरण, मानवाधिकार एवं अहिंसा प्रशिक्षण

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. संघर्ष के स्वरूप से आप क्या समझते हैं? विध्वंसात्मक संघर्ष को समझाइये।

What do you mean by nature of conflict? Explain the destuctive conflict.

अथवा /OR

संघर्ष के आधार एवं प्रकार पर प्रकाश डालें।

Focus the bases and types of conflict.

प्र. 2. संघर्ष निराकरण की विधियों का वर्णन करो।

Explain the techniques of conflict resolution.

अथवा /OR

संघर्ष निराकरण में अभिवृत्ति परिवर्तन के महत्व को बताइये।

Explain the importance of attitude change in conflict resolution.

प्र. 3. सापेक्षता क्या है? संघर्ष निराकरण में इसकी भूमिका को समझाइये।

What is relativity? Explain its role in conflict resolution.

अथवा /OR

सह अस्तित्व के स्वरूप का विस्तार से वर्णन करें।

Describe in detail the nature of co-existence.

प्र. 4. मानव अधिकारों के स्वरूप को स्पष्ट करें।

Clearly explain the nature of Human Rights.

अथवा /OR

विश्व नागरिकता से आप क्या समझते है? वर्णन करो।

What do you understand by world citizenship? Describe.

प्र. 5. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (कोई दो)

Write short notes (any two)

(अ) हृदय परिवर्तन
Change in Heart

(ब) जीवन शैली परिवर्तन
Change in Life Style.

(स) व्यवस्था परिवर्तन
Structural Change

(द) अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता
Need for Training in Non-violence.

♦♦♦

अथवा

प्रयोगवादी कविता का परिचय देते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्र. 6. साठोत्तरी कविता का अर्थ बताते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए। 10

अथवा

रस की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख अवयवों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र - आधुनिक काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 7 x 3 = 21

(क) दिवस का अवसान समीप था। गगन था कुछ लोहित हो चला।।
तरू शिखा पर थी अब राजती। कमलिनी–कुल–वल्लभ की प्रभा।।
विपिन बीच विहंगम–वृन्द का। कलनिनाद विवर्द्धित था हुआ।।
ध्वनिमयी विविधा विहंगावली। उड रही नभ–मण्डल मध्य थी।।

अथवा

निज गौरव का नित ज्ञान रहे।
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे।।
सब जाय अभी, पर मान रहे।
मरने पर भी गुंजित गान रहे।।
कुछ हो, न तजो निज साधन को।
नर हो, न निराश करो मन को।।

(ख) फैला अपने मृदु स्वप्न–पंख,
उड गई नींद–निशि–क्षितिज पार,

अध खुले दृगों के कंज–कोष,
पर छाया विस्मृति का खुमार,
रंग रहा हृदय ले, अश्रु–हास,
यह चतुर चितेरा सुधि–विहान।

अथवा

डूब गये सब एक साथ।
सब अलग–अलग एकाकी पार तिरे।
राजा ने अलग सुना:
जयदेवी यश: काय, वरमाला लिये
गाती थी मंगलगीत
दुदुंभी दूर कहीं बजती थी
राजमुकुट सहसा हलका हो आया था, मानो हो फूल सिरिस का
ईर्ष्या, महत्वकांक्षा, द्वेष, चाटुता
सभी पुराने लुगडे से झर गये, निखर आया था जीवन–कांचन
धर्मभाव से जिसे निछावर वह कर देगा।

(ग) परशु और तप, ये दोनों वीरों के ही होते श्रृंगार,
क्लीव न तो तप ही करता है, न तो उठा सकता तलवार।
तप से मनुज दिव्य बनता है, षड् विकार से लडता है,
तन की समर–भूमि में लेकिन, काम खड्ग ही करता है।।

अथवा

है कौन विघ्न ऐसा जग में, टिक सके वीर नर के मग में?
खम ठोंक ठेलता है जब नर, पर्वत के, जाते पाँव उखडा
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है।

प्र. 2. ''प्रसाद जी छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं।'' कथन की समीक्षा करते हुए प्रसाद के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को सोदाहरण लिखिए। 10

अथवा

''महादेवी के काव्य में तीव्र विरहानुभूति के दर्शन होते हैं।'' इस कथन के आलोक में उनकी विरहानुभूति पर विचार कीजिए।

प्र. 3. धूमिल की प्रसिद्ध कविता ''मोचीराम'' के भाव–सौन्दर्य को उद्घाटित करते हुए इसके शिल्प पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

शमशेर बहादुर सिंह की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र. 4. वे कौन–कौन सी विशेषताएँ हैं, जिनसे होकर कर्ण का महान गौरवशाली चरित्र बना है? 10

अथवा

सिद्ध कीजिए की 'रश्मिरथी' एक सफल खण्डकाव्य है।

प्र. 5. प्रगतिवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रगतिवादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 9

प्र. 5. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक साहित्यिक निबंध लिखिए। 16

(क) राजस्थानी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना

(ख) भक्ति काव्य और लोक जागरण

(ग) साहित्य का प्रयोजन

(घ) सूर

(ङ) कबीर

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र - निबन्ध साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित में से तीन गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **8 x 3 = 24**

(क) सूफियों के प्रेमबन्धनों में खण्डन की बुद्धि को किनारे रखकर, मनुष्य के हृदय को स्पर्श करने का ही प्रयत्न किया गया है, जिससे इसका प्रभाव हिन्दुओं और मुसलमानों पर समान रूप से पडता है। बीच–बीच में रहस्य परोक्ष की ओर जो मधुर संकेत मिलते हैं वे बडे हृदयग्राही होते हैं। कबीर में जो रहस्यवाद मिलता है वह बहुत कुछ उन पारिभाषिक संज्ञाओं के आधार पर है जो हठयोग में निर्दिष्ट हैं। पर इन प्रबन्धकारों ने जिस रहस्यवाद का आभास बीच–बीच में दिया है उसके संकेत स्वाभाविक और मर्मस्पर्शी है। शुद्ध प्रेममार्गी सूफी कवियों में सबसे प्रसिद्ध जायसी हुए, जिनकी पद्मावत हिन्दी काव्य क्षेत्र में अद्‌भूत रत्न है।

(ख) स्वदेश और स्वधर्म की रक्षा के निमित्त राजस्थान ने बडा भारी उत्सर्ग किया है। उच्च शौर्य भव्य त्याग, आत्म बलिदान शरणागत पालन और स्वातन्त्र्य

प्रेम का जो ज्वलन्त आदर्श राजस्थानी साहित्य में कूट–कूट कर भरा है, वह किसी भी सहृदय व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। इतना ही नहीं किसी भी काल का सच्चा वीर उससे किसी अंश में स्फूर्ति ग्रहण कर सकता है। 'रणखेती राजपूत री' और सचमुच ही योद्धाओं के रक्त से सींची जाकर इस मरूधरा ने जो खेती उपजाई है, जो कवि रत्न, दान–रत्न और वीर–रत्न उत्पन्न किये हैं उनका स्मरण आज भी रोमांच और हर्षोद्रेक का कारण हो सकता है।

(ग) इस समय भारतवर्ष में जो नई शिक्षा आई, वह इंग्लैण्ड की इन बहुविध विचार प्रवृत्तियों से प्रभावित थी। पर इसमें मनुष्य मात्र की समानता रूप में स्वीकृत हो गई थी, व्यवहार में वह राष्ट्र के मनुष्यों तक ही सीमित थी। व्यवहारगत शिथिलता ने वहां उस जातिगत उत्कर्ष के भद्दे सिद्धान्त को जन्म दिया, जिसने आगे चलकर संसार में भयंकर अशांति के बीज बो दिये। राष्ट्र के भीतर अवश्य ही स्वतंत्रता और समानता के सिद्धान्त स्वीकार कर लिये गये थे।

(घ) भक्ति आंदोलन में जो भावात्मक एकता स्थापित हुई, उसमें जितना फैलाव था उतनी गहराई भी थी। यह एकता समाज के थोडे से शिक्षित जनों तक सीमित नहीं थी। संस्कृत के द्वारा जो राष्ट्रीय एकता कायम हुई थी उससे यह भिन्न थी। इसकी जडें नगरों और गांवों के अपढ लोगों के बीच गहरी चली गई। यह एकता प्रादेशिक भाषाओं के माध्यम से कायम हो रही थी। भक्ति आंदोलन एक ओर अखिल भारतीय आंदोलन था, दूसरी ओर वह प्रदेशगत, जातीय आंदोलन भी था।

प्र. 2. (क) भारतीय समाज को कवि तुलसी की अमूल्य देन है उनके साहित्य में स्थापित सामाजिक मूल्य 'तुलसी के सामाजिक मूल्य' पाठ के आधार पर विवेचना कीजिए। 10

अथवा

'लोक जागरण में भक्ति काव्य' का बहुमूल्य योगदान है। पठित निबन्ध के आधार पर विवेचना कीजिए।

प्र. 3. राजस्थानी साहित्य ही एकमात्र साहित्य है जिसमें मरण को मंगल माना है। 'राजस्थानी साहित्य में राष्ट्रीय भावना' निबन्ध के आधार पर विवेचना कीजिए। 10

अथवा

'कामायनी' को महाकाव्यत्व' निबन्ध के आधार पर कामायनी का महाकाव्यत्व सिद्ध करिये।

प्र. 4. हिन्दी निबन्ध का स्वरूप विवेचन करते हुए भारतेन्दु युग की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

आधुनिक हिन्दी आलोचना के प्रमुख दो आलोचकों का परिचय देते हुए उनकी वृत्ति पर प्रकाश डालिए।

Q. 6. "Life comes from life and not from sacrifice". Discuss the statement in the light of Tagore's play 'Sacrifice'. 8

OR

"You can take the boy out of the country, but you can not take the country out of the boy". Discuss in the light of Tagore's play 'sacrifice'.

♦♦♦

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2010

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - I : POETRY AND DRAMA

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Explain the following passages with reference to the context (any three): 15

(a) These had seen movement, and heard music; known slumber and waking; loved; gone proudly friended; Fill the quick stir of wonder; sat alone; Touched flowers and furs and cheeks. All that is ended.

(b) No mockeries for them; no prayers nor bells, Nor any voice of mourning save the choirs, The shrill demented choirs of wailing shells And bungles calling for from sad shires.

(c) Larks are singing in the west, brother above the green So will ye not come home, brothers and rest your tired wheat feet? "I've a balm for bruised hearts, brother, sleep for a ching eyes," says the warm wind, the west wind, full of bird's cries.

(d) A shape with a lion body and the head of man, A gaze blank and pitiless as the sun, Is moving its slow thighs, while all about it Reel shadows of the indignant desert birds, The darkness drops again.

(e) We returned to our places, these kingdoms, But no longer at ease here, in the old dispensation with an alien people clutching their gods. I should be glad of another death.

Q. 2. Critically examine the following images taken from W.B. Yeat's poem entitled "The Second Coming". 10

(a) What is the Second Coming?

(b) The falcon can not bear the falconer.

(c) The ceremony of innocence is drowned.

(d) Vast image out of spiritus Mundi.

(e) A shape with lion body and the head of a man.

OR

Attempt a critical appreciation of Eliot's "Journey of the Magi".

OR

Wilfred Owen' poem "Anthem for Doomed Youth" is ironically written. Describe how? Illustrate from the poem.

Q. 3. Explain the following incerpts with reference to context (any three): 15

(a) What you think of prospects of world peace?
Pakistan behaving like this,
China behaving like that,
It is making me very sad, I am telling you,
Really most harassing one.

(b) I watched the holy men perform his rites,
to tame The poison with an incantation
After twenty hours
It lost its sting.

(c) She sews and you sit and sip
and speak of the rate of rice
and the price of tea
and the scarcity of cheese
you know both that you have spoken
of love and despair and ungrateful children.

(d) And one pregnant woman
Expecting identical twins
With no moles on their bodies,
With different coloured diapers
To tell them apart.

(e) The blind boy with his begging can
Senses my stone-eyes, my hostility
Impersonal and anonymous
Directed more against the weight of time.
Age piled on age
Layers of black slang
Frozen to an iron shadow.

Q. 4. "The compact, harsh, alliterative prose-order of Daruwalla's verse creates a dramatic scene, where characters and situations offer a comment on life". Illustrate. 15

OR

Owen mourns the fact that young men "die as cattle" on the battle field. It is not possible to give them the traditional funeral rites. Describe.

Q. 5. "Tagore in his play 'The Post Office' presents the most fascinating character of Amal who draws the attention of all". Do you agree with statement. 7

OR

In 'Post Office', the play, Tagore presents the personal sorrow, pain and human suffering in a striking manner. Justify.

D087 BAD310

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2010

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q.1. Discuss in detail the relationship between Raju and Rosie in 'The Guide'. 15

OR

Discuss the appropriateness of the title "The Guide".

Q.2. "The novel 'Cry the Peacock' is a brilliant study of the abnormal psychology of its central character Maya". Discuss. 20

OR

Draw a character-sketch of Gautama.

Q.3. Discuss how Mahabharata is a tale of heroic men and women who were divine ? 20

OR

Which character do you like the most in Mahabharata ? Why?

Q.4. How does Sastri argue the case for India's independence ? 10

OR

Discuss the role of universities in shaping our country.

Q.5. Write short note on any one 5

(i) Mahavira's definition of wants (ii) Ways of avoiding fear.

♦♦♦

D087 BAD310

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2010

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q.1. Discuss in detail the relationship between Raju and Rosie in 'The Guide'. 15

OR

Discuss the appropriateness of the title "The Guide".

Q.2. "The novel 'Cry the Peacock' is a brilliant study of the abnormal psychology of its central character Maya". Discuss. 20

OR

Draw a character-sketch of Gautama.

Q.3. Discuss how Mahabharata is a tale of heroic men and women who were divine ? 20

OR

Which character do you like the most in Mahabharata ? Why?

Q.4. How does Sastri argue the case for India's independence ? 10

OR

Discuss the role of universities in shaping our country.

Q.5. Write short note on any one 5

(i) Mahavira's definition of wants (ii) Ways of avoiding fear.

♦♦♦

प्र. 3. ससूत्र धात्वादेश लिखें (कोई तीन) 5

(1) उल्लालेइ

(2) ओग्गालेइ

(3) भासइ

(4) समिज्झाइ

(5) परिआलेइ

प्र. 4. कृदन्त प्रकरण अथवा भावकर्म प्रक्रिया की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

प्र. 5. मागधी अथवा पैशाची भाषा की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

प्र. 6. कमल अथवा युवती (जुवइ) शब्द के अपभ्रंश रूप लिखिए। 10

प्र. 7. 'गच्छ' धातु अथवा 'दा' धातु के वर्तमान काल के अपभ्रंश रूप लिखिए। 7

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्राकृत भाषा में निबन्ध लिखिए: 20

(1) पर्यावरण

(2) मेरा देश

(3) अहिंसा।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र - प्राकृत व्याकरण एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

प्र. 1. रूपसिद्धि करें। (कोई पाँच) 10

(1) पमिल्लइ

(2) डहिज्झइ

(3) तुरिओ

(4) ममातो

(5) गन्तून

(6) जेत्तुलो

(7) पहुच्चइ

(8) तुम्हहं

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें। 7

(1) न वा कर्म-भावे व्व: क्यस्य च लुक

(2) रुदिते दिना ण्ण:

(3) तुरोत्यादौ

(4) न वा र्यो य्य:

(5) स-षो: संयोगे सोऽग्रीष्मे

(6) णो न:

(7) मोनुनासिको वो वा

प्र. 3. अगडदत्त चरियं कथा से प्राप्त शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

अगडदत्त चरियं में प्रतिपादित लोक जीवन का चित्रण कीजिए।

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 15

(क) गुणेहि साहू अगुणोहिऽसाहू गिण्हाहि साहू गुण मुंचऽसाहू।
वियाणिया अप्पगमप्पएणं, जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो।।

(ख) तुमं च णं जाया। सुहसमुचिए नो चेव णं दुहसमुचिए, नालं सीय नालं उण्हं, नालं खुहं, नालं पिवास, नालं वाइय–पित्तिय–सिंभिय–सन्निवाइए विविहे रोगायंके, उच्चावए गामकंटए, बावीसं परीसहोवसग्गे उदिण्णे सम्मं अहियासित्तए भुंजाहि ताव जाया। माणुस्सए कामभोगे। तओ पच्छा भुत्तभोगी अरहओ अरिट्ठनेमिस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्ससि।

(ग) दुवालसविहा होइ भासा, वयणंपि य होइ सोलसविहं।
एवं अरहंतमणुण्णायं समिक्खियं संजएणं कालम्मि य वत्तव्वं।।

प्र. 5. ''आणंद–गोयम–संवाद पयं'' पाठ का प्रतिपाद्य विषय का विवेचन कीजिए। 7

अथवा

''अतियार पयं'' में प्रतिपादित अतिचारों पर प्रकाश डालिए।

प्र. 6. प्रदेशी–केशी संवाद का भाव और महत्त्व लिखें। 7

अथवा

''सद्दालपुत्त–संबोहण पयं'' पाठ में निहित शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

प्र. 7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर प्राकृत भाषा में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 6

(क) गणिसंपदा (ख) गुरु पूआ (ग) परमप्प–पयं

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र - अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत चरित साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नांकित गाथाओं में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 10

(अ) ताव च्चिय होइ सुहं जाव न कीरइ पिओ जणो को वि।
पियसंगो जेण कओ दुक्खाण समप्पिओ अप्पा।।

(ब) नेयं महव्वयं खलु नरड्ढिमुद्दाए जं समुव्वहणं।
पडिवन्नपालणे चिय महव्वयं धीरपुरिसाणं।।

(स) जो जाइ जुवइवग्गे सब्भाव मयणमोहिओ पुरिसो।
दुत्तरदुक्खसमुद्दे निवडइ सो नत्थि संदेहो।।

प्र. 2. निम्नांकित गाथाओं में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 15

(अ) को चित्तेइ मउरं गइं च को कुणइ रायहंसाणं।
को कुवलयाण गंधं विणयं च को कुलप्पसूयाणं।।

(ब) नियगरुयपयावपसंसणेण लज्जंति जे महासत्ता।
इयरा पुण अलियपसंसणे वि अंगे न मायंति।।

(स) गयजीयं नाऊणं अप्पाणं जा खिवेइ जलणम्मि।
ता विज्झाहरजुयलं पत्तं सत्थीकया तेण।।

प्र. 4. भूतकाल के बोधक लकारों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

हेतुहेतुमद लकार कौन सा है? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 10

(1) विद्या से हीन मनुष्य पाप कर्मों में लिप्त होता है।

(2) सीता राम और लक्ष्मण के साथ वन में गई।

(3) ब्राह्मण स्वादिष्ट भोजन से प्रसन्न होता है।

(4) बालक दु:ख में माता का स्मरण करता है।

(5) राम दुष्टों पर क्रोध व भक्तों से स्नेह करते हैं।

(6) हृदय की शुद्धि से बुद्धि शुद्ध होती है।

(7) वह सायंकाल खेलकर भोजन करता है।

(8) हम सब पढने के लिए विद्यालय जाते हैं।

(9) गीत गाती हुई बालिका को ध्यान से सुनो।

(10) श्रुति के पीछे स्मृति चलती है।

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच में कृत्य प्रत्यय बताइए। 5

सेवितव्यम्, भिदेलिमा, हेयम्, लभ्यम्, योग्यम्, त्याज्यम्,
दानीयम्, स्तुत्यम्, शिष्य:, कार्यम् ।

प्र. 7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए– 5

(1) आचार्यदेवो भव

(2) स्त्री शिक्षाया: महत्त्वम

(3) आचार: परमो धर्म:।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र - संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. अद्योविन्यस्त शब्दों में से किन्हीं पांच शब्दों की रूप सिद्धि कीजिए। 20

अधियन्ति, ऊर्णुते, दधाति,
सुन्वः, चकर्त, तेने, जज्ञौ।

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 20

1. श्रन्थग्रन्थो नलोपश्च
2. कृतः कीर्त्
3. यो हसात्
4. लो लुक्
5. सन्यनिटि दीर्घः
6. यङो मुक्
7. रुग्रिकौ च लुकि।

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच धातुओं का रूप लिखिए। 10

1. पृचीड़् – संपर्चने – द्यादि
2. असक् – भुवि – दिबादि
3. वचंक् – भाषणे – तिबादि
4. मृजूक् – शुद्धौ – णबादि
5. दरिद्राक् – दुर्गतौ – तिबादि
6. णुक् – स्तुतौ – दिबादि

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों को शुद्ध कीजिए। 10

तविति, रुदिति, अदति,

अप्सन्, एत्, शीष्टः, अरत्।

प्र. 5. अनुष्टुप छन्द का लक्षण लिखते हुए 'गुरु' पर श्लोक लिखें। 10

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद

प्रथम पत्र - संस्कृत व्याकरण एवं रचना (लघु-सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच क्रियापदों की रूपसिद्धि कीजिए। 20

पठति, बभूव, एधन्ते, दीव्यन्ति, जुहोमि, क्रीणाति, चोरयतः, तनुमः, लभते, भवावः।

प्र. 2. निम्नांकित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 20

(1) लः कर्माणि भावे चाकर्मकेभ्यः।
(2) अतो दीर्घो यञि।
(3) लृट् शेषे च।
(4) अनद्यतने लङ्।
(5) टित आत्मनेपदानां टे रे।
(6) दिवादिभ्यः श्यन्।
(7) शेषात् कर्तरि परस्मैपदम् ।
(8) तिङ् शित् सार्वधातुकम् ।
(9) कर्तरि शय् ।
(10) लिटि धातोरनभ्यासस्य।

प्र. 3. अधोलिखित में से किन्हीं तीन धातुओं के रूप लिखिए। 6

(1) पठ् – लृट् लकार (2) भू – लिट् लकार
(3) अस् – लट् लकार (4) क्री – लोट् लकार
(5) तृप् – विधि लिङ् (6) सेव् – लट् लकार

(ग) न प्रणमन्ति देवताभ्यः, न पूजयन्ति द्विजातीन् न मानयन्ति मान्यान् नार्चयन्त्यर्चनीयान्, नाभिवादयन्त्यभिवादनार्हान्।

प्र. 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 8x3=24

1. पार्वती का चरित्र–चित्रण कीजिए।
2. अश्रुवीणा का सारांश लिखिए।
3. लक्ष्मी का स्वरूप लिखिए।

अथवा

1. कुमारसंभव के पंचमसर्ग का सारांश लिखिए।
2. अश्रुवीणा के लेखक का परिचय दीजिए।
3. राजा के गुण–दोषों का विवेचन कीजिए।

प्र. 3. किन्हीं दो श्लोकों को पूर्ण कीजिए: 8

(क) पातितं ------ ।

(ख) प्रवृद्धमेधितं ----- ।

(ग) गुप्तगोपायित ------ ।

(घ) ख्याते ------- ।

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 7x2=14

(1) वैदिक साहित्य का परिचय दीजिए।

(2) कालिदास के अवदानों की चर्चा कीजिए।

(3) संस्कृत नाटक–साहित्य का परिचय दीजिए।

(4) जैन महाकाव्यों के बारे में लिखिए।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र - काव्य कोश एवं इतिहास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8x3=24

(क) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।
निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता।।

(ख) तत्रानन्दः स्फुरति सुमहान् यत्र वाणीं श्रितासि
दुःख तत्रोच्छलति विपुलं यत्र मौनावलम्बा।
किं वाऽऽनन्दः किमसुखमिदं भाषसे सप्रयोगं
त्वामाक्षिप्य स्वमतिजटिलास्तार्किका अत्र मूढाः।।

(ग) न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोक्यते।
न कुलमनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति।।

अथवा

(क) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत्।।

(ख) निर्ग्रन्थानामधिपतिरसौ पश्चिमस्तीर्थनाथो –
देह–स्नेहं सहजसुलभं बन्धहेतुं व्युदास्य।

प्र. 3. ''मैकियावली अपने युग का शिशु था।'' विवेचना कीजिये।

"Machiavelli was the child of his time?" Discuss.

अथवा /OR

रूसो के सामान्य इच्छा सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

Critically examine Rousseau's theory of General Will.

प्र. 4. ''प्रकृति ने मनुष्य को दो प्रभुत्वपूर्ण स्वामियों, सुख और दुःख के अधीन कर रखा है।'' बेन्थम के इस कथन की विवेचना कीजिए।

"Nature has subjected mankind to two sovereign masters, pleasure and pain." Comment as this statement of Bentham.

अथवा /OR

स्वतंत्रता सम्बन्धी जे एस मिल के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine J. S. Mill's views on liberty.

प्र. 5. हीगल की ''द्वन्द्वात्मक पद्धति'' का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically discuss "the Dialectic Method" of Hegal.

अथवा /OR

वर्ग संघर्ष पर एक टिप्पणी लिखिये।

Write a note on class struggle.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र - पाश्चात्य प्रतिनिधि विचारक

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्लेटो के आदर्श राज्य की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

Eleborate Plato's concept of the ideal state.

अथवा /OR

अरस्तू को राजनिति विज्ञान का पिता क्यों कहा जाता है? टिप्पणी कीजिये।

Why is Aristotle regarded as father of Political Science? Comment.

प्र. 2. संत थॉमस एक्वीनास के विधि सम्बन्धी विचारों को समझाइये।

Explain St. Thomas Aquinan's ideas regarding law.

अथवा /OR

मध्यकालीन राजनीतिक चिन्तन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

Write a short note on medieval Political Thoughts.

What do you understand by Disarmament? Describe the effort made for disarmament after Second World War.

प्र. 3. संयुक्त राज्य अमरीका की विदेश नीति का वर्णन कीजिए।

Describe the Foreign Policy of U.S.A. 14

अथवा /OR

चीन की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

Examine the main features of China's Foreign Policy. 14

प्र. 4. भारतीय विदेश नीति मूल सिद्धान्तों की विवेचना करते हुए वर्तमान में विदेश नीति के नये आयामों की चर्चा कीजिए।

Examine the main principles of Indian Foreign Policy and describe its new dimensions at present. 14

अथवा /OR

भारत–श्रीलंका सम्बन्धों का वर्णन कीजिए।

Describe Indo-Srilanka relations. 7+7

प्र. 5. सार्क के संगठन, कार्यों एवं भूमिका का परीक्षण कीजिए।

Examine the organisation, functions and role of SAARC. 14

अथवा /OR

अन्तर्राष्टीय सम्बन्धों में शान्ति एवं अहिंसा के प्रयोग पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on the use of Non-violence and Peace in International Relations. 14

♦♦♦

D093 BAD316

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र - अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (१९४५ से आज तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. गुट निरपेक्षता से आप क्या समझते हैं? वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

Define Non-alignment. Examine its relevance in present context. 6+8

अथवा /OR

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए।

Write short notes on any two of the following: 14

(अ) उत्तर–दक्षिण संवाद / North-South Dialogue

(ब) दक्षिण–दक्षिण संवाद / South-South Dialogue

(स) नवीन अन्तर्राष्टीय आर्थिक व्यवस्था/ New International Economic Order

प्र. 2. संयुक्त राष्ट्रसंघ की सुरक्षा परिषद के संगठन एवं कार्यों का वर्णन कीजिये।

Describe the organisation and functions of Security Council of U.N.O. 14

अथवा /OR

नि:शस्त्रीकरण से आप क्या समझते हैं? द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात किये गये नि:शस्त्रीकरण के प्रयत्नों का वर्णन कीजिए। 7+7

व्यक्तित्व विकास में कर्म की क्या भूमिका है?

What is the role of Karma in development of personality?

प्र. 4. संघर्ष क्या है? जीवन विज्ञान के द्वारा उसका समाधान बताइये।

What is conflict? Explain the solution by science of living.

अथवा /OR

बुद्धि के प्रकार एवं सिद्धान्तों को समझाइये।

Explain the types and principles of intelligence.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये–

Write short notes on any two of the following :

(क) प्राण /Vital Energy

(ख) कर्म बन्धन के कारण / Causes of Karma's bondage

(ग) अवधान / Attention

(घ) भाव एवं संवेग / Emotions and Impulses.

♦♦♦

D094 BAD317

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र - जीवन विज्ञान का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक आधार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. इन्द्रिय को आध्यात्मिक दृष्टि से व्याख्यायित कीजिए।

Describe the spiritual point of view of sense organs.

अथवा /OR

जीवन विज्ञान पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on science of living.

प्र. 2. श्वास का मनोवैज्ञानिक आधार समझाइये।

Explain the scientific basis of Breath.

अथवा /OR

चित्त क्या है? मन और चित्त को व्याख्यायित कीजिए।

What is Psyche? Describe the Mind and Psyche.

प्र. 3. समाधि पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on Samadhi.

अथवा /OR

प्र. 3. ''सकारात्मक दृष्टि से आत्मविश्वास बढता है'' समझाइये।

Self confidence increase through positive thinking. clarify it.

अथवा /OR

समय प्रबन्धन पर लेख लिखिए।

Write an essay on Time-Management.

प्र. 4. आहार प्रबन्धन और स्वास्थ्य रक्षा के सामंजस्य को अपने शब्दों में समझाइये।

Describe coordination of food management and Health security in your own words.

अथवा /OR

तनाव प्रबन्धन पर लेख लिखिये।

Write an essay on Stress Management.

प्र. 5. स्मृति को स्पष्ट करते हुए स्मृति विकास के सोपान को समझाइये।

What is memory ? Explain the steps of Memory-development.

अथवा /OR

कार्यक्षमता को बताते हुए स्पष्ट करें कि कार्यक्षमता का विकास कैसे संभव है?

What is working efficiency ? How it is possible to develop working efficiency.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र - जीवन विज्ञान : स्वास्थ्य विज्ञान

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. व्यक्तित्व को परिभाषित करते हुए इसके निर्धारक तत्त्वों को विस्तार से समझाइये।

Define personality and explain its determinant factors in detail.

अथवा /OR

व्यक्तित्व के अर्थ को स्पष्ट करते हुए इसके प्रकार एवं संगठन–विघटन को समझाइये।

Define personality, clarify its division, composition and decomposition.

प्र. 2. व्यक्तित्व विकास में स्व–प्रबन्धन की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

Explain the necessity of self-management in personality development.

अथवा /OR

''व्यसन की समस्या में प्रेक्षा एक उचित समाधान है।'' स्पष्ट करें।

In the problem of addiction Preksha is a Right solution How? Explain it.